

**M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)**

**Term-End Examination**

**December, 2012**

**MESE-059 : TEACHER EDUCATION IN INDIA :  
GROWTH AND DEVELOPMENT**

*Time : 3 hours*

*Maximum Weightage : 70%*

- 
- Note :** (i) *All the questions are compulsory.*  
(ii) *All the questions carry equal weightage.*
- 

1. Answer the following question in about 600 words :

Explain the development of teacher education in India during the post independence period with special reference to policies, programmes and progress.

**OR**

Critically analyse the present teacher education programmes at the school level with reference to its objectives laid down in the NCFTE published by the NCTE in 2009.

2. Answer the following question in about **600** words.

List the main characteristics of a teacher educator. Critically analyse the current programmes of development of teacher educators in India. Give your suggestions for improvement.

**OR**

Discuss the role of ICT in the field of teacher education. Also elaborate the scope of use of Information and Communication Technology (ICT) in Indian conditions. What are its limitations ?

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each.

- (a) Define the concept of quality of teacher education in terms of its operational parameters.
- (b) Give a brief account of teacher education during the ancient period of India.
- (c) Critically examine the role of NCERT in teacher education.
- (d) Describe the characteristics of DPEP with special reference to its inputs for teacher education.
- (e) What is the meaning of Sarva Shiksha Abhiyan (SSA) ? Describe its implications for teacher education programmes in India.
- (f) Critically examine the norms developed by the NCTE for teacher education institutions.

4. Answer the following question in about 600 words.

“A sound programme of professional education of teachers is essential for the qualitative improvement of education. Investment in teacher education can yield very rich dividends because the financial resources required are small when measured against the resulting improvements in the education of millions.”

Elaborate the above statement of Kothari Commission (1964 - 66).

---

एम.एड. ( शिक्षा में स्नातकोत्तर )  
सत्रांत परीक्षा  
दिसम्बर, 2012

एम.ई.एस.ई-059 : भारत में अध्यापक शिक्षा :  
संवृद्धि और विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

- नोट : (i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।  
(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

नीतियों, कार्यक्रमों एवं प्रगति के विशेष सन्दर्भ में भारत में स्वातन्त्र्योत्तर काल में अध्यापक शिक्षा के विकास की व्याख्या कीजिए।

अथवा

2009 में एन.सी.टी.ई. (NCTE) द्वारा प्रकाशित एन.सी.एफ.टी.ई.(NCFTE) में निर्धारित इसके उद्देश्यों के सन्दर्भ में विद्यालय स्तर पर वर्तमान अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।  
एक अध्यापक-शिक्षक की मुख्य विशेषताओं की सूची बनाइये।  
भारत में अध्यापक-शिक्षकों के विकास के वर्तमान कार्यक्रमों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। सुधार के लिए अपने सुझाव दीजिए।

### अथवा

अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में आई.सी.टी. (ICT) की भूमिका की चर्चा कीजिए। भारतीय परिस्थितियों में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी (Information and Communication Technology) के प्रयोग के कार्यक्षेत्र का भी सविस्तार प्रतिपादन कीजिए। इसकी क्या सीमायें हैं?

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों (प्रत्येक के लगभग 150 शब्दों में) के उत्तर दीजिए।
- अध्यापक-शिक्षा की गुणवत्ता की अवधारणा को इसके क्रियात्मक प्राचलिकों (parameters) के संदर्भ में परिभाषित कीजिए।
  - प्राचीन भारत में अध्यापक-शिक्षा का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
  - अध्यापक-शिक्षा में एन.सी.ई.आर.टी. (NCERT) की भूमिका का समीक्षात्मक विवेचना कीजिए।

- (d) अध्यापक शिक्षा के लिए इसके निवेश के विशेष सन्दर्भ में डी.पी.ई.पी. (DPEP) की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।
- (e) सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए.) का क्या अर्थ है? भारत में अध्यापक-शिक्षा कार्यक्रमों के लिए इसके निहितार्थ (implications) का वर्णन कीजिए।
- (f) अध्यापक-शिक्षा संस्थानों के लिए एन.सी.टी.ई. (NCTE) द्वारा विकसित किये गये मानकों की समीक्षात्मक विवेचना कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए अध्यापकों की व्यावसायिक शिक्षा के ठोस कार्यक्रम अत्यन्त आवश्यक है। अध्यापक शिक्षा में निवेश अत्यन्त मूल्यवान लाभांश दे सकता है ; क्योंकि इसके लिए आवश्यक आर्थिक संसाधन की कमी हैं, जब उन्हें करोड़ों की शिक्षा में परिणामात्मक सुधार के लिए मापा जाता है।

कोठारी आयोग (1964 - 66) के उपर्युक्त कथन का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए।

---